हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 66 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 29 अगस्त, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

महिला सुरक्षा और साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखना हमारा लक्ष्य : अभिनव कुमार, डीजीपी

3

प्रदेश में अब प्लास्टिक के बदले मिलेगा पैसा

मुख्यमंत्री धामी ने किया प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम का शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वयं प्लास्टिक की बोतल को बार कोड से स्कैन कर डिजिटल पेमेंट प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक की खपत को कम करने एवं अधिक से अधिक प्लास्टिक को रिसाइकल कर, उसे इस्तेमाल में लाने के लिए डिजिटल डिपॉजिट रिफन्ड सिस्टम का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा डिजिटल डिपॉजिट रिफन्ड सिस्टम को धरातल में उतारने के लिए समन्वय से कार्य किये जाएं। यह पहल चार धाम यात्रा एवं अन्य पर्यटन स्थलो में भी कूड़े की खपत को कम करते हुए स्वच्छता का वातावरण बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

बाजारों में प्लास्टिक की बोतल को बार कोड से स्कैन कर डिजिटल पेमेंट ले सकेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लास्टिक की समस्या संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बन गई है। धार्मिक और पर्यटन स्थलों में प्लास्टिक की बड़ी समस्या के तौर पर सामने आती है। इसके समाधान हेतु राज्य सरकार ठोस कदम उठा रही है। राज्य में स्वच्छता का वातावरण बनाते हुए क्लीन उत्तराखंड, ग्रीन उत्तराखंड पर सरकार विशेष फोकस कर रही है। राज्य की प्राकृतिक संपदा हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है, इसको सुरक्षित रखना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल डिपोजिट रिफन्ड सिस्टम को 2 साल पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उत्तराखंड में लाया गया था। जिसके सफल संचालन के लिए उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले को डिजिटल इंडिया अवॉर्ड 2022 से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा नदियां, जंगल, पहाड़ राज्य की धरोहर और पहचान है। प्लास्टिक हमारी इन धरोहरों को खतरे में डाल रही है। जिसके निस्तारण के लिए राज्य सरकार विज्ञान एवं आधुनिक तकनीक के प्रयोग से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई थी। जिससे भारत में स्वच्छता के क्षेत्र में नई क्रांति का संचार हुआ था। नमामि गंगे योजना के तहत गंगा की स्वच्छता के लिए अनेक कार्य हो रहे हैं।

इस अवसर पर जानकारी दी गई कि डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे का एकत्रीकरण सरल हो जाएगा। डी.डी.आर.एस के तहत प्लास्टिक

बोतल/प्लास्टिक पदार्थों का उत्पादन करने वाली ईकाईयों द्वारा 'क्यूआर कोड सिस्टम' जनित किया जायेगा, जिससे उपभोगताओं द्वारा प्लास्टिक पैकेजिंग में भण्डारित पदार्थों का प्रयोग करने के पश्चात प्लास्टिक अपशिष्ट को नजदीकी डी.डी.आर.एस सेंटर को वापस किया जायेगा व बार कोड स्कैन करने के पश्चात उपभोगता को प्रत्येक प्लास्टिक अपशिष्ट पर एक निश्चित धनराशि वापस की जायेगी। डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम के लागू होने से प्लास्टिक कचरे को सर्कुलर इकोनॉमी में वापस लाया जा सकेगा, जिससे संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण समिति विश्वास डाबर, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक डॉ धनंजय मोहन, विशेष सचिव/मेंबर सेक्रेटरी, उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव युगल किशोर पंत, आलोक कुमार पाण्डेय, एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने किया भाजपा संयुक्त मोर्चा की बैठक में प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। एक सितंबर से शुरू होने वाले भाजपा के सदस्यता अभियान-2024 को लेकर बुधवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी में हुई भाजपा संयुक्त मोर्चा की कार्यशाला में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पिछले दस सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के साथ उत्तराखंड में भी अभूतपूर्व काम हुए हैं, अब भारत किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सदस्यता अभियान सिर्फ पार्टी के लिए सदस्य बनाने का अभियान नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सामज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच बनानी है और जनता तक बदलते हुए भारत की तस्वीर पहुंचानी है। सीएम धामी ने कहा कि ऐसे लोगों को पार्टी से जोड़े जो भाजपा की विचारधारा पर विश्वास करते हों और राष्ट्र और समाज के निर्माण में

■ बदलते भारत की तस्वीर जनता तक पहुचाएं : धामी

योगदान दे सके। कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और उत्साह के साथ इस अभियान को आगे बढ़ाना है। सभी वर्गों के लोगों को पार्टी से जोड़ना है। कहा कि नए लोगों के पार्टी से जुड़ने से हमारी ताकत और बढ़ेगी। इस अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं का व्यक्तित्व विकास भी होगा, उनकी जनता तक पहुंच बढ़ेगी, इसलिए कर्तव्यनिष्ठता के साथ इस काम को करें। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में देश में ऐतिहासिक काम हुए हैं। उत्तराखंड में भी पीएम के नेतृत्व में अभूतपूर्व काम हुए हैं। केंद्र और राज्य सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाने का भी यह एक सुनहरा अवसर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी सदस्यता अभियन को सफल बनाने के लिए एकजुटता से काम करने को कहा।

इस मौके पर संगठन मंत्री अजय कुमार, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक कुलदीप कुमार, महामंत्री राजेंद्र बिष्ट, खिलेंद्र चौधरी और आदित्य कोठारी, भाजयमुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, राष्ट्रीय मंत्री एससी मोर्चा स्वराज विद्वान, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर रावत, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इंतजार हुसैन, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समीर आर्य, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंद्र सिंह पुंडीर, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, रतन सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

निगम कर्मचारी महासंघ को सीएम का आश्वासन, जल्द होगा डीए का भुगतान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । निगमों के कर्मचारियों को जनवरी 2024 से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ जल्द मिलेगा। बुधवार को सचिवालय में राज्य निगम कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष सूर्यप्रकाश राणाकोटी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वार्ता में आश्वासन दिया। सीएम ने सचिव सार्वजनिक उद्यम विभाग विनय शंकर पांडेय को जल्द बढ़ा हुए डीए सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। सचिवालय में हुई वार्ता में अध्यक्ष राणाकोटी ने सीएम को बताया कि जनवरी 2024 से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ निगम कर्मचारियों को अभी तक नहीं मिला है। जबकि राज्य कर्मियों को ये लाभ काफी पहले ही उपलब्ध कराया जा चुका है। निगम कर्मचारियों को हर बार सिर्फ कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं। हर बार निगम कर्मचारियों को अपनी छोटी छोटी मांगों के लिए बेवजह के चक्कर कटवाए जाते हैं। जबकि सरकार की ओर से कई बार स्पष्ट किया जा चुका है कि राज्य कर्मियों के लिए जारी होने वाले आदेशों का लाभ सीधे निगम कर्मियों को भी उपलब्ध कराया जाए। उसके बाद भी शासन स्तर पर कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

सीएम धामी ने महासंघ को आश्वस्त करते हुए कहा कि निगम कर्मचारियों को समय पर सभी लाभ सुनिश्चित कराए जाएंगे। डीए का भुगतान जल्द होगा। भविष्य में निगम कर्मचारियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। वार्ता में अजयकांत शर्मा, ललित शर्मा, अरविंद पयाल, नंदलाल जोशी आदि मौजूद रहे।

सार्वनिक उद्यम ब्यूरो का गठन कर समाप्त हो भेदभाव

निगम, निकाय समेत स्वायत्तशासी संस्थाओं से जुड़े कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को राज्य में अलग से एक सार्वनिक उद्यम ब्यूरो के गठन की भी मांग की गई। ताकि निगम कर्मचारियों को भी राज्य कर्मियों की तरह सभी लाभ एकसमान रूप से समय पर मिल सके।

संविदा कर्मियों का तत्काल हो नियमितीकरण

महासंघ पदाधिकारियों ने सीएम से संविदा, आउटसोर्स, उपनल कर्मचारियों को जल्द नियमित किए जाने की मांग की। अध्यक्ष राणाकोटी ने कहा कि हाईकोर्ट के नियमितीकरण से जुड़े आदेशों को तत्काल लागू किया जाए।

अन्य प्रमुख मांगे

❖जल संस्थान कर्मियों को हाईकोर्ट के आदेश पर पेंशन का लाभ मिले। ❖जीएमवीएन में एसीपी और स्टाफिंग पैटर्न का लाभ लागू हो। ❖रोडवेज में एक मई 2022 के बाद के मृतक आश्रितों को भी नियमित सेवा प्रदान की जाए। ❖वर्ष 1996 से स्वजल में कार्यरत कर्मचारी किए जाएं नियमित। ❖दुग्ध विकास संघ कर्मचारियों को मिले डीए और सातवें वेतनमान का लाभ। ❖वन विकास निगम में अधिकारियों की कमी को पूर्व की तरह प्रतिनियुक्ति से दूर किया जाए। ❖रोडवेज में खाली पदों पर तेजी से चले भर्ती अभियान। ❖विकास प्राधिकरणों में यूपी की तरह लागू हो पेंशन व्यवस्था। ❖वन निगम में कार्यरत स्केलर संवर्ग को शैक्षिक योग्यता के आधार पर मिले ग्रेड वेतन दो हजार का लाभ।

भारत की नंबर 1 हॉरर फिल्म, जिसे बनाने में लगे 7 साल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : सरकटे' के आतंक के बाद 'हस्तर' एक बार फिर से लौट रहा है. 6 पहले जिस फिल्म को देखने के बाद लोगों की सिट्टी पिट्टी गुल हो गई थी. अब मेकर्स ने इस फिल्म को 6 साल बाद दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया है. ये फिल्म और कोई नहीं 'तुम्बाड' हैं. भारत की नंबर 1 हॉरर फिल्म, जिस के हर पल रोमांच है. कई सीन तो इतने डरावने हैं कि देखने वाले की चीख तक निकलत जाती हैं. सस्पेंस, थ्रिलर और हॉरर ये तीनों एक साथ एक फिल्म में है।

2018 में रिलीज हुई इस फिल्म ने ये साबित कर दिया की आज भी कंटेंट ही किंग है. इस फिल्म को आईएमडीबी पर 10 में से 8.2 रेटिंग मिली है. इन दिनों ये फिल्म एक बार फिर चर्चा में है. दरअसल, सोहम शाह की ये शानदार फिल्म 30 अगस्त को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. 2018 में जब ये सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी तो दर्शकों के पसीने छूट गए थे।

क्राइम और हॉरर जॉनर की फिल्मों को लोग काफी पसंद करते हैं. 'स्त्री 2' और 'मुंज्या' के करोड़ों के कलेक्शन के बाद अब हॉरर फिल्मों के दीवानों के लिए सोहम शाह ने अपनी नंबर 1 हॉरर फिल्म 'तुम्बाड' को फिर रिलीज करने का फैसला लिया है. इस फिल्म को बनाने में निर्माता को पूरे 7 साल लगे थे. फिल्म बनाने में सोहम शाह को अपने फ्लैट और प्रॉपर्टी से लेकर कार तक बेचनी पड़ गई थी. सोहम शाह ने खुद एक इंटरव्यू के दौरान इसका खुलासा किया था. यही नहीं, सोहम इस फिल्म को दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद भी काफी हैरान थे, क्योंकि उन्हें बिलकुल उम्मीद नहीं थी कि फिल्म को इतना पसंद किया जाएगा।

तुम्बाड की कहानी की बात करें तो इसकी कहानी 1918 में महाराष्ट्र के एक तुम्बाड नाम के गांव से शुरू होती है, जहां विनायक (सोहम शाह) अपनी मां और भाई के साथ रह रहा होता है. यहां एक बाड़े में खजाने की बात होती है, जिसकी तलाश विनायक और उसकी मां को भी होती है, लेकिन इसी बीच कुछ ऐसा होता है कि विनायक की मां उसे लेकर पुणे चली जाती है. 15 साल बाद जब विनायक गांव वापस आता है तो खजाने की तलाश में जुट जाता है, इसके बाद उसका सामना हस्तर से होता है, जिस पर श्राप है कि उसे उसके लालच और भूख की वजह से कभी नहीं पूजा जाएगा. इसके बाद क्या होता है, ये जानने के लिए ये फिल्म आप या तो ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं या फिर 30 अगस्त को इसे सिनेमाघरों में देख सकते हैं।

दीवार के सहारे पैर उठाकर करें ये आसान व्यायाम, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : आजकल की व्यस्त और तनावपूर्ण लाइफस्टाइल में लोग अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ 5 मिनट के लिए दीवार के सहारे पैर ऊपर उठाने से भी आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं? इस सरल लेकिन प्रभावी योगासन को 'विपरीतकरणी' मुद्रा कहा जाता है. यह योग का एक हिस्सा है जो न केवल शरीर को आराम देता है, बल्कि मानसिक शांति और शारीरिक मजबूती भी प्रदान करता है. आइए जानते हैं दीवार के सहारे पैर ऊपर करने के चार अद्भुत फायदों के बारे में.

दिनभर की भागदौड़ और तनावपूर्ण लाइफस्टाइल से थकावट महसूस होना स्वाभाविक है. दीवार के सहारे 5 मिनट तक पैर ऊपर करने से शरीर और दिमाग को राहत मिलती है. इस योगासन से शरीर के निचले हिस्से में खून के फ्लो बेहतर होता है और दिमाग को अधिक ऑक्सीजन मिलती है. इससे मानसिक तनाव कम होता है और आप शारीरिक और मानसिक रूप से ताजगी महसूस करते हैं।

इस आसन का एक प्रमुख लाभ यह है कि यह ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है. जब आप दीवार के सहारे पैर ऊपर करते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण के कारण आपके पैरों में खून का फ्लो वापस दिल की ओर होता है. यह प्रक्रिया ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू बनाती है और पैरों में सूजन या भारीपन की समस्या को दूर करती है. खासकर उन लोगों के लिए, जो लंबे समय तक बैठने या खड़े रहने का काम करते हैं, यह आसन बहुत फायदेमंद है।

यह आसन पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है. पैर ऊपर करने से पेट के अंगों पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे पाचन क्रिया में सुधार होता है. यह आसन पेट की समस्याओं जैसे गैस, कब्ज और एसिडिटी से राहत दिलाने में मददगार साबित हो सकता है. इसके अलावा, नियमित रूप से यह आसन करने से मेटाबॉलिज्म भी बेहतर होता है, जिससे आपका वजन नियंत्रण में रहता है। अगर आपको नींद नहीं आती है या नींद की क्वालिटी खराब है, तो यह आसन आपके लिए लाभकारी हो सकता है. दीवार के सहारे पैर ऊपर करने से शरीर और मस्तिष्क को शांत करने में मदद मिलती है, जिससे आप बेहतर नींद ले सकते हैं. इस आसन से नसों को आराम मिलता है और तनाव कम होता है, जिससे आपको गहरी और सुकून भरी नींद आती है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले एक शांत और आरामदायक जगह चुनें. दीवार के पास बैठकर अपने पैरों को धीरे-धीरे दीवार पर उठाएं और अपने शरीर को पीठ के बल लेट जाएं. आपके कूल्हे दीवार से सटे होने चाहिए और आपके पैर दीवार के साथ सीधे ऊपर की ओर होने चाहिए. अब अपने हाथों को अपने शरीर के किनारों पर रखें और गहरी सांस लें. इस स्थिति में 5 मिनट तक बने रहें और फिर धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आए.

कब है सोमवती अमावस्या, इस दिन गंगा स्नान करने पर बरसेगी विशेष कृपा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : इस साल और 3 सितंबर को भाद्रपद मास की अमावस्या आ रही है. इस दौरान हर की पौड़ी पर गंगा स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं. साथ ही मोक्ष की प्राप्ति होने की भी धार्मिक मान्यता है. धार्मिक ग्रंथो के अनुसार अमावस्या बेहद ही फलदाई होती है. यदि अमावस्या के दिन तीर्थ स्थान पर गंगा स्नान किया जाए, तो अमावस्या का कई गुना फल प्राप्त होता है. धार्मिक कथाओं के अनुसार पहाड़ों से होकर समतल क्षेत्र हरिद्वार में गंगा का आगमन सबसे पहले होता हैं. भगवान शिव और भगवान विष्णु की प्राचीन नगरी होने के कारण गंगा का महत्व हरिद्वार में और अधिक बढ़ जाता है।

हरिद्वार हर की पौड़ी पर भगवान ब्रह्मा की तपस्थली होने के कारण यहां किसी भी पर्व पर गंगा स्नान करने का फल कई लाख गुना प्राप्त होता है. क्योंकि सभी देवी-देवता इस दिन हर की पौड़ी पर स्नान करते हैं. जिससे गंगा का जल अमृत के समान हो जाता है. इसलिए अमावस्या के दिन हरिद्वार हर की पौड़ी पर गंगा स्नान करने से जहां शरीर के सभी रोग खत्म होने की धार्मिक मान्यता है. वहीं, व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति भी मिलती है. शास्त्रों के अनुसार अमावस्या पर पितरों के निमित्त कोई भी धार्मिक कार्य श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान आदि का भी विशेष महत्व बताया गया. 2 और 3 सितंबर को सोमवती अमावस्या के अवसर पर हरिद्वार में गंगा स्नान करने के बारे में बताया ज्योतिष एक्सपर्ट पंडित श्रीधर शास्त्री ने. उन्होंने लोकल 18 को बताया कि भाद्रपद की अमावस्या 2 और 3 सितंबर को होगी. अमावस्या पर तीर्थ नगरी हरिद्वार में गंगा स्नान करने से अनेक लाभ प्राप्त होंगे. वह बताते हैं कि 2 सितंबर को सोमवती अमावस्या है. इस दिन हरिद्वार में गंगा स्नान करने से जन्मों जन्म के सभी पाप खत्म हो जाएंगे और अमावस्या का पूर्ण फल व्यक्ति को प्राप्त होगा. वहीं, अगले दिन 3 सितंबर को भौमवती अमावस्या पर भी गंगा स्नान करने का शुभ मुहूर्त है।

हरिद्वार का प्राचीन महत्व भगवान शिव और भगवान विष्णु से जुड़ा हुआ है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार धार्मिक पर्व पर हरिद्वार हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड में स्वर्ग लोक से भगवान और देवी देवता स्नान करने के लिए आते हैं. इसलिए हरिद्वार में अमावस्या पर गंगा का जल अमृत हो जाता है. इस दौरान हरिद्वार हर की पौड़ी पर गंगा स्नान करने से जहां शरीर के सभी रोग दूर हो जाते हैं, वहीं मां गंगा का ध्यान भजन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है. ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं की अमावस्या पर जब भी हरिद्वार में गंगा स्नान करें तो मन ही मन गंगा के मंत्रों का उच्चारण करना चाहिए. ऐसा करने से कई प्रकार के लाभ मिलते हैं।

कंकाल बना देगी विटामिन B12 की कमी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : यदि आप बी12 से भरपूर फूड्स का सेवन रोजाना नहीं कर रहे हैं, तो आप जल्दी बड़ी मुसीबत में आ सकते हैं. बॉडी में बी12 की कमी से स्ट्रोक, हार्ट अटैक, नर्वस सिस्टम में खराबी जैसी समस्याएं होने लगती है, जो अच्छे खासे व्यक्ति बिस्तर का रोगी बना देती है। ऐसे में विटामिन बी12 की कमी के लक्षण को तुरंत पहचानना और इसके लिए उपाय करना बहुत ही आवश्यक हो जाता है. इस विटामिन के कई गंभीर लक्षण रात के समय नजर आते हैं, यहां हम आपको ऐसे 5 संकेतों के बारे में बता रहे हैं।

1- नींद भर की थकान के बाद बेड पर जाने पर आमतौर पर शरीर की मांसपेशियों में दर्द का अनुभव होता है. लेकिन यदि आप मसल्स में रोजाना ऐंठन और कमजोरी का अनुभव कर रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज ना करें. यह विटामिन बी12 की कमी का संकेत हो सकता है. 2- रात के समय में यदि आपको ज्यादा पेट या डाइजेशन से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल ना करें. मतली, दस्त, गैस, कब्ज जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल के लक्षण वास्तव में बी12 की कमी का नतीजा हो सकते हैं. 3- सिर में दर्द बहुत ही आम समस्या है. आए दिन यह परेशानी होती ही रहती है. लेकिन यदि रात के समय में सिरदर्द रोज हो रहा है, तो यह विटामिन बी12 का भी संकेत हो सकता है. 4- नींद ना आने की समस्या से आज के समय में ज्यादातर लोग परेशान है. ऐस बॉडी में बी12 की कमी के कारण भी होता है. ऐसे में यदि आप कई हफ्तों से नहीं सो पा रहे हैं तो डॉक्टर से जरूर एक बार चेकअप करवा लें. 5- यदि लेटे-लेटे ही पैरों की नसें अपने आप तन जाती है, तो इसे नजरअंदाज करना आपके लिए मुसिबत ला सकता है. क्योंकि यह बी12 की कमी का एक साइलेंट संकेत है।

उत्तराखंड के खुरपिया को किया जायेगा औद्योगिक स्मार्ट शहर की तर्ज़ पर विकसित : कैबिनेट ने दी मंजूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 अगस्त : भारत जल्द ही औद्योगिक स्मार्ट शहरों की एक भव्य श्रृंखला स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय में, राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत 28,602 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 12 नए परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है, जिससे औद्योगिक नोड्स और शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होगा जो आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा।

10 राज्यों में फैले और रणनीतिक रूप से नियोजित 6 प्रमुख गलियारों के साथ ये परियोजनाएं भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाएंगी। ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र में दिघी, केरल में पलक्कड़, उत्तर प्रदेश में आगरा और प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, आंध्र प्रदेश में ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान में जोधपुर-पाली में स्थित हैं।

मुख्य विशेषताएं:

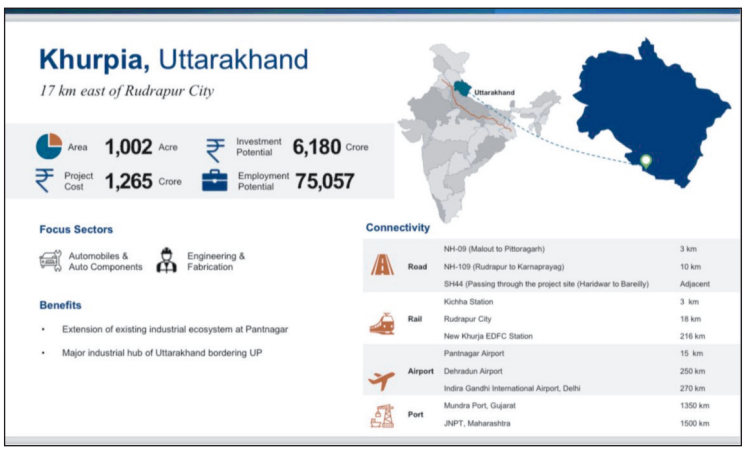

रणनीतिक निवेशः एनआईसीडीपी को बड़े एंकर उद्योगों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) दोनों से निवेश की सुविधा प्रदान करके एक जीवंत औद्योगिक इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। ये औद्योगिक नोड 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर निर्यात प्राप्त करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे, जो सरकार के आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी भारत के विजन को दर्शाता है।

स्मार्ट शहर और आधुनिक बुनियादी ढांचाः नए औद्योगिक शहरों को वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिन्हें 'प्लग-एन-प्ले' और 'वॉक-टू-वर्क' अवधारणाओं पर ₹मांग से पहले₹ बनाया जाएगा। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि शहर उन्नत बुनियादी ढांचे से लैस हों जो टिकाऊ और कुशल औद्योगिक कार्यों का समर्थन करते हैं।

पीएम गति शक्ति पर क्षेत्रीय दृष्टिकोणः पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप परियोजनाओं में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचा होगा, जो लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा। औद्योगिक शहरों को पूरे क्षेत्र के परिवर्तन के लिए विकास केन्द्र बनाने की परिकल्पना की गई है।

एक 'विकसित भारत' का विजनः

इन परियोजनाओं की मंजूरी 'विकसित भारत' - एक विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में भारत को एक मजबूत प्रतिस्पर्धी के रूप में स्थापित करके, एनसीडीपी आवंटन के लिए तत्काल उपलब्ध उन्नत विकसित भूमि प्रदान करेगा, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए भारत में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करना आसान हो जाएगा। यह एक 'आत्मनिर्भर भारत' या स्वालंबी भारत बनाने के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है, जो बढ़े हुए औद्योगिक उत्पादन और रोजगार के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।

आर्थिक प्रभाव और रोजगार सृजनः

एनआईसीडीपी से महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिसमें अनुमानित 1 मिलियन प्रत्यक्ष नौकरियां और नियोजित औद्योगीकरण के माध्यम से 3 मिलियन तक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इससे न केवल आजीविका के अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि उन क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में भी योगदान मिलेगा जहां ये परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

स्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धताः

एनआईसीडीपी के तहत परियोजनाओं को स्थायित्व पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार किया गया है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए आईसीटी-सक्षम उपयोगिताओं और हरित प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और टिकाऊ बुनियादी ढांचा प्रदान करके, सरकार का लक्ष्य ऐसे औद्योगिक शहर बनाना है जो न केवल आर्थिक गतिविधि के केंद्र हों, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के मॉडल भी हों।

एनआईसीडीपी के तहत 12 नए औद्योगिक नोड्स की स्वीकृति भारत की वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एकीकृत विकास, टिकाऊ बुनियादी ढाँचे और निर्बाध कनेक्टिविटी पर रणनीतिक ध्यान देने के साथ, ये परियोजनाएं भारत के औद्योगिक परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने और आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए तैयार हैं।

इन नई मंजूरियों के अलावा, एनआईसीडीपी ने पहले ही चार परियोजनाओं को पूरा होते देखा है, और चार अन्य वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन हैं। यह निरंतर प्रगति भारत के औद्योगिक क्षेत्र को बदलने और एक जीवंत, टिकाऊ और समावेशी आर्थिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

महिला सुरक्षा और साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखना हमारा लक्ष्य : अभिनव कुमार, डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 29 अगस्त , उत्तराखंड के डीजीपी अभिनव कुमार ने धार्मिक जुलूसों एवं धरना/प्रदर्शनों के दौरान आमजनमानस को हो रही असुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जनपद प्रभारियों को आमजनमानस की सुविधा और सार्वजनिक शान्ति व्यवस्था बनाये रखते हुए जुलूसों को विनियमित करने के उद्देश्य से आयोजनों की अनुमति के सम्बन्ध में सम्बन्धित जिलाधिकारी से समन्वय कर निम्न बिन्दुओं पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

1. आयोजनों हेतु यह संज्ञान में रखा जाये कि किसी भी आयोजन से अस्पताल व शिक्षण संस्थाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

2. आयोजनों से मरीजों व छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में कोई रूकावट उत्पन्न न हो।

3. आयोजनों की समय सीमा निर्धारित की जाये तथा निर्धारित समय के पश्चात उक्त जमाव को अविधिमान्य जन समूह घोषित किया जाये।

4. आयोजनों हेतु अनुमति दिये जाने से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाये कि उक्त आयोजन से आम जनमानस के सामान्य जीवन में कोई रूकावट उत्पन्न न हो।

5. जुलूस, प्रदर्शन आदि का मार्ग विनियमित करने से पूर्व उपरोक्त उल्लेखित समस्याओं को संज्ञान में रखा जाये।

6. आयोजनों की सामान्यतः अनुमति राजकीय कार्य दिवसों पर न दी जाये।

7. आयोजनों की अनुमति अधिक से अधिक राजकीय अवकाशों के दौरान दी जाये।

8. धरना-प्रदर्शन आदि यथा *सम्भव निर्धारित धरना स्थल पर ही करने की अनुमति दी जाये।

महिला सुरक्षा को लेकर संवेदनशील पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, द्वारा प्रदेश में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम और उन पर अधिक प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना* तैयार करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक ने पी० रेणुका, देवी, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति प्रदेश में घटित महिला अपराध की प्रकृति, अपराध दर, संवदेनशील क्षेत्रों का चिन्हीकरण, प्रदेश में महिला अपराधों की रिपोर्टिंग, अन्वेषण एवं न्यायालय में निस्तारण की स्थिति, अपराध पीड़िताओं को उपलब्ध कराये जाने वाली सहायता और सेवाओं के बारे में जानकारी, महिला अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही, समाज में महिला अपराधों के प्रति जागरूकता, अपराधों के नियंत्रण हेतु जनपदों में अवसंरचनात्मक / मानव संसाधनों की आवश्यकता आदि के सम्बन्ध में व्यापक अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट पुलिस महानिदेशक के समक्ष प्रस्तुत करेगी।

दून में रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरिज कराने वाली कंपनी पर मुकदमा

देहरादून। देहरादून में वर्ष 2022 में रोड सेफ्टी वर्ल्ड क्रिकेट सीरिज कराने वाली मुंबई की कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि कंपनी ने आयोजन के दौरान ट्रांसपोर्ट व्यवस्था देने वाली एजेंसी का पूरा भुगतान नहीं किया। डालनवाला थाना पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देहरादून रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वर्ष 2022 में रोड सेफ्टी वल्डी क्रिकेट सीरिज हुई थी। उसमें सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह, हरभजन सिंह जैसे कई भारतीय और विदेशी दिग्गज खिलाड़ी खेलने आए थे। हिमालय टैक्सी सर्विसेज के संचालक नरेंद्र कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी। उन्होंने आरोप लगाया है कि सीरीज के दौरान उन्होंने मैजेस्टिक लीजेंड्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को को वाहन उपलब्ध कराए थे। यह कंपनी इस सीरिज की आयोजक थी। नरेंद्र कुमार के अनुसार, उन्होंने कंपनी को कुल 35.96 लाख रुपये का बिल दिया था। जिसमें से कंपनी ने केवल 24.16 लाख रुपये का भुगतान किया। शेष राशि के भुगतान के लिए कंपनी ने बार-बार आश्वासन दिया। लेकिन, भुगतान नहीं किया। बाद में कंपनी ने छूट देने की बात कही। छूट देने पर भी भुगतान नहीं किया गया। शिकायत में यह भी बताया गया है कि कंपनी ने टूर्नामेंट खत्म होने के बाद 15 लाख रुपये का चेक दिया था। बाद में उस पर भुगतान रोक दिया गया। इसका पता चेक को बैंक में लगाने पर लगा। एसएसपी के निर्देश पर मामले में डानलवाला थाना पुलिस ने कंपनी की सीईओ पूनम शुक्ला के अलावा, भक्ति, जयदीप, अमित शुक्ला और जितेंद्र गौड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर मनोज मेनवाल ने बताया कि साक्ष्य जुटाकर आरोपों की जांच की जा रही है।

राज्यसभा सांसद नरेश बसंल को किया सम्मानित

देहरादून। दून के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने बुधवार को राज्यसभा सांसद एवं भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बसंल को पटका पहनाकर सम्मानित किया। यह सम्मान राज्यसभा में उत्तराखंड और देश के जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए किया गया। भाजपा नेता सचिन गुप्ता ने कहा कि चाहे उत्तराखंड एम्स विस्तारीकरण की मांग का विषय हो या ग्रीन बोनस की मांग हो, राज्य सभा सांसद जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं। इस मौके पर हरीश मित्तल, सुरेश प्रजापति, सुमित गर्ग, आयुष खोलिया, अनुराग क्षेत्री, देव शर्मा, गौरव गर्ग, मधु जैन, अभिषेक गुप्ता, अर्चना आनंद, राजकुमार तिवारी, कुमारी मेघा, संदीप पठानी, ईश्वर सिंह ठाकुर, नंद किशोर क्षेत्री, बिरजू क्षेत्री, पंकज सैनी, राकेश आर्य, हरि थापा, माया थापा आदि मौजूद रहे।

रुद्रपुर के नर्स हत्याकांड की सीबीआई जांच हो

देहरादून। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा ने रुद्रपुर में नर्स हत्याकांड की सीबीआई जांच करवाने की मांग की है। इसके लिए सीएम को पत्र लिखा है। पत्र में राष्ट्रीय सचिव गुलफाम अली ने कहा कि रुद्रपुर में दुष्कर्म के बाद नर्स की हत्या की गई। सबूत मिटाने के लिए शरीर पर कैमिकल डालकर नष्ट किया गया, यह जघन्य अपराध है। इसमें दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने इस घटना की सीबीआई जांच करवाने के साथ ही पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

8वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में उत्तराखण्ड को 4 कांस्य पदक

देहरादून। गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में संगरूर पंजाब में 24 से 27 अगस्त तक हुई 8वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने चार कांस्य पदक जीते। गतका एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के महासचिव सतीश जोशी ने बताया कि राज्य के दस खिलाड़ियों ने पहली बार गतका खेल की ऑफिसियल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में 23 राज्यों के 1654 चयनित खिलाड़ियों ने भाग लिया। राज्य के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार कांस्य पदक जीते। पदक जीतने वालों में अर्शदीप सिंह, दिलीप सिंह मान, मनराज सिंह, वंशदीप सिंह शामिल रहे। महिला खिलाड़ी सुखम कौर और प्रभजीत सिंह पांचवें स्थान पर रहे। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सूद ने बताया कि जल्द देहरादून में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। पदक विजेताओं को पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सांसद अजय भट्ट आदि ने बधाई दी।

बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक में मना हैंडलूम दिवस

देहरादून। बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक में बुधवार को हैंडलूम दिवस के अवसर पर धागों का तानाबाना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिमसें छात्राओं को हैंडलूम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ,केवीआईसी के डा. संजीब रॉय, यूसीआरएफ के एमडी आनंद शुक्ला, एमडी-यूसीआरएफ, ग्लोबल इंडस्ट्रीज के निदेशक वीरेन्द्र दत्त सेमवाल और डीआईसी की एमडी अंजनि रावत ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान पालीटेक्निक की प्राचार्य डा. नमिता ममगाई ने संस्थान की उपलब्धियों और हैंडलूम दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। सांसद नरेश बंसल ने कहा कि बीएस नेगी महिला पोलिटेक्निक ने महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल कायम की है।

सोशल मीडिया पर बरसेगा विज्ञापन, योगी लाये पॉलिसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त , अभी सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर पुलिस द्वारा आईटी एक्ट की धारा 66 (ई) और 66 (एफ) के तहत कार्रवाई की जाती है । अब प्रदेश सरकार पहली बार ऐसे मामलों पर नियंत्रण के लिए नीति ला रही है इसके तहत दोषी पाए जाने पर 3 साल से लेकर उम्र कैद (राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में) सजा का प्रावधान है ।अभद्र एवं अश्लील सामग्री पोस्ट करने पर अपराधिक मन के मुकदमे का सामना भी करना पड़ सकता है । राष्ट्र विरोधी कंटेंट पोस्ट करने पर कार्रवाई । लंबे समय से इस संबंध में नीति लाने के लिए प्रयासरत निदेशक सूचना शिशिर सिंह ने बताया कि पोस्ट किया कंटेंट अभद्र अश्लील और राष्ट्र विरोधी नहीं होना चाहिए ।

यूट्यूबर्स को 8 लाख, Facebook-Instagram पर रील बनाने वालों को मिलेंगे पांच लाख Digital Media Policy

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने कैबिनेट बैठक में डिजिटल मीडिया नीति को मंजूरी दे दी है. इस नीति के तहत सरकार की जय-जय करने पर विज्ञापन मिलेगा, और यदि किसी ने खिलाफत या सरकार विरोधी कंटेंट परोसा तो तीन साल से उम्र कैद तक की सजा का प्रावधान रखा गया है. अब आप देख लीजिए, क्या करना है. सरकार ने अपनी मंशा जता दी है. इसके अलावा, सरकार विरोधी, आपत्ति जनक, राष्ट्रविरोधी पोस्ट, अश्लीलता पूर्ण सामग्री पोस्ट करने पर मानहानि मुकदमे से लेकर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों तक का केस चल सकेगा. कौन सा कंटेंट किस श्रेणी मे आयेगा यह तय सरकारी एजेंसी करेंगी.

इस नीति को लेकर पेश किए गए प्रस्ताव के अनुसार इंटरनेट मीडिया के प्लेटफार्म एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम व यूट्यूब पर सरकार की योजनाओं व उपलब्धियों से संबंधित सामग्री प्रसारित करने के लिए विज्ञापन दिए जाने की व्यवस्था बनाई गई है। एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम व यू ट्यूब के खाता धारकों को सब्सक्राइबर्स (ग्रहकों) व फालोअर्स (अनुयायियों) के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा। सरकार इन्हें सूची बद्ध कर विज्ञापन देगी। नीति के अनुसार एक्स, फेसबुक व इंस्टाग्राम के खाता धारकों व इंफ्लूएंसरों चार श्रेणियों के हिसाब से पांच, चार, तीन व दो लाख रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

भारतीय सेना की नर्स को साइबर ठगों ने 5 घंटे रखा
Digital Arrest, 15 लाख रूपये लूटकर छोड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 अगस्त : साइबर ठगों ने सेना में तैनात महिला को डिजिटल गिरफ्तारी के झांसे में लेकर 15 लाख रुपये ठग लिए। रायपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में रायपुर निवासी नीरू ने बताया कि वह भारतीय सेना में मिलिट्री नर्सिंग स्टाफ के रूप में तैनात हैं, वर्तमान में अपने घर देहरादून आई हुई हैं। 17 अगस्त की सुबह उन्हें एक फोन कॉल आई, जिसमें बताया गया कि उनके बैंक खाते में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बंद किया जा रहा है। कॉल करने वाले ने मोबाइल के की-पैड से नौ नंबर दबाने के लिए कहा, जिसके बाद एक व्यक्ति फोन पर जुड़ा और नीरू को सूचित

किया कि उनके आईडी पर एक और मोबाइल नंबर 15 जुलाई को एक्टिवेट किया गया है जो मुंबई में चल रहा है।

उसने जानकारी दी कि जिस व्यक्ति द्वारा यह नंबर उपयोग किया जा रहा है, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, इसलिए नीरू की आईडी पर चल रहे सभी नंबर बंद किए जा रहे हैं। इसके बाद अधिक जानकारी के लिए कॉल ट्रांसफर कर मुंबई पुलिस अधिकारी से बात करने को कहा गया। महिला ने बताया कि उसके बाद आरोपितों ने वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क किया, जिसमें एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में था। उसने खुद को प्रदीप सावंत बताया और नीरू के बारे में पूरी जानकारी एकत्र करने लगा। इस व्यक्ति ने कहा कि नीरू के कैनरा बैंक खाते का उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग में किया गया है और यह एक बड़े घोटाले से जुड़ा मामला है। इसके बाद नीरू की बात एक अन्य व्यक्ति से कराई गई, जिसे सीबीआई इंस्पेक्टर राजेश मिश्रा के रूप में पेश किया गया।

मिश्रा ने नीरू को डराया कि उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और अदालत केवल साक्ष्यों को मानती है। कॉल करने वाले ने एक खाता नंबर भेजा और मामले को निपटाने के लिए तत्काल 15 लाख रुपये जमा करने को कहा। नीरू ने यह राशि ट्रांसफर कर दी। साइबर ठगों ने उन्हें सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक ऑनलाइन रखकर डराया और पहचान-पत्र भेजे, साथ ही चेतावनी दी कि यदि किसी को इसके बारे में जानकारी दी तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जब नीरू ने आरोपितों की सच्चाई को लेकर जाँच की, तो पता चला कि वे न तो मुंबई पुलिस से हैं और न ही सीबीआई से, बल्कि साइबर ठग हैं। इस मामले में रायपुर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राज्यपाल ने राजभवन में समस्त राज्य विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक ली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को विश्वविद्यालयों से संबद्ध महाविद्यालयों और संस्थानों के औचक निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा कि कॉलेजों में विद्यार्थियों की सुविधाओं और उनके सर्वांगीण विकास में कोई कोर कसर न रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थी केनद्रित होनी चाहिए और छात्रों का सर्वांगीण विकास एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार ही हमारा ध्येय वाक्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने क्रियाकलापों में टेक्नोलॉजी का अधिकाधिक उपयोग करते हुए ई-कल्चर लाने का प्रयास करें।

राज्यपाल ने बुधवार को राजभवन में समस्त राज्य विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कुलपतियों के अलावा शासन के उच्चाधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा करने, एक-दूसरे से समन्वय हेतु एमओयू करने और उनका प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए। बैठक में सभी कुलपतियों द्वारा ''वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च'' पर किए जा रहे लघु शोध प्रबन्ध पर अद्यतन प्रगति के बारे में अवगत कराया। गौरतलब है कि राज्यपाल द्वारा सभी विश्वविद्यालय को राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु एक वर्ष तक अपने गहन शोध के माध्यम से लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अपने शोध के विषय का चयन किया गया है जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2025 तक प्रस्तुत की जानी है।

राज्यपाल ने कहा कि यह शोध प्रबन्ध राज्य के आर्थिक व सामाजिक विकास में लाभप्रद होगा और इस पर गंभीरता से कार्य किया जाय। उन्होंने कहा कि शोध प्रबन्ध तैयार होने के उपरांत उसका प्रस्तुतीकरण मुख्यमंत्री, संबंधित विभाग के मंत्री, मुख्य सचिव एवं संबंधित विभाग के सचिव के समक्ष किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कुलपतियों को निर्देश दिए कि राजभवन को प्राप्त अस्थायी सम्बद्धता प्रस्तावों पर विसंगतियों के संबंध में विश्वविद्यालय का अभिमत नितांत जरूरी है इस पर संबंधित विश्वविद्यालय अपने स्पष्ट अभिमत के साथ प्रकरणों को अग्रसारित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय सम्बद्धता के उन्हीं प्रकरणों को राजभवन प्रेषित करें जो मानको में पूर्ण हों।

इस बैठक में तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा सभी राज्य विश्वविद्यालयों के लिए तैयार किए जा रहे डैशबोर्ड के संबंध में भी प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि एक कॉमन डैशबोर्ड तैयार किया जा रहा है जिसमें सभी विश्वविद्यालयों के पास अपनी आधारभूत सुविधाओं, प्रवेश, एमओयू, बेस्ट प्रैक्टिसेज, कार्यक्रमों, विषय-विशेषज्ञों, सूचनाओं, शोध और विकास को आपस में और राजभवन के साथ ऑनलाइन माध्यम से जुड़ने की सुविधा होगी। पूर्व में यह मोबाइल एप के रूप में उपलब्ध था जिसे अतिरिक्त सुविधाओं को जोड़ते हुए डैशबोर्ड के रूप में तैयार किया जा रहा है। बैठक में कुलपतियों ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित उपलब्धियों और नवाचारों के बारे में अवगत कराया।

बैठक में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी राज्यपाल अमित कुमार सिरोही, सचिव डॉ. पंकज पाण्डेय, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, सुरेन्द्र नारायण पाण्डे, दीपक कुमार, अपर सचिव डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, नमामी बंसल, कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डॉ. ओ.पी.एस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एन के. जोशी, कुलपति जी.बी.पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन सिंह चौहान, कुलपति तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो. दीवान एस रावत, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय डॉ. परविंदर कौशल और कुलपति सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने बढ़ते महिला अपराधों के खिलाफ किया सचिवालय कूच

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को बढ़ते महिला अपराधों के खिलाफ गांधी पार्क से सचिवालय कूच किया। सभी ने नारेबाजी कर अपना आक्रोष प्रकट किया। पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहले गांधी पार्क के बाहर एकत्रित हुए। यहां से नारेबाजी करते हुए सचिवालय कूच शुरू किया। पुलिस ने बैरीकेडिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को आगे जाने से रोक दिया। कुछ देर बाद सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह ने पार्टी के पदाधिकारियों से वार्ता कर उनकी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद सेमवाल ने कहा कि बढ़ रहे अपराधों को राजनैतिक और धार्मिक चश्मे से देखना बंद करना होगा, तभी अपराध रुक सकेंगे। प्रदेश संगठन सचिव सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि राज्य में हर सरकारी और गैर सरकारी संस्थान में महिलाओं की समस्याओं से संबंधित एक विशेष सेल की स्थापना अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए, ताकि समय रहते महिलाओं का उत्पीड़न रोका जा सके। रीजनल पार्टी की यमकेश्वर प्रभारी द्रौपदी रावत और महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष शशि रावत ने भी सरकार पर निशाना साधा। इस अवसर पर रामेश्वर पांडेय, अनुपमा भारद्वाज, मनोरमा चमोली, उपेंद्र सकलानी, भगवती नौटियाल, संजय डोभाल, जगदम्बा बिष्ट, मंजू बहुगुणा, कृष्णा चौहान, सतेश्वरी पोखरियाल, अंजू रावत, पदमा रौतेला, ऋषिका चौहान, रिकीं कुकरेती, शान्ति चौहान, मंजू रावत, रजनी कुकरेती समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

विधायक ने किया सीसी सड़क का लोकार्पण

देहरादून। कैंट विधायक सविता कपूर ने बुधवार को गोविंदगढ़ के प्रकाशनगर में विधायक निधि से बनी सीसी सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सड़क मार्गों को दुरुस्त रखना हमारी प्राथमिकता है और बरसात के दौरान कहीं भी सड़क मार्ग प्रभावित हुए हैं, उनको शीघ्र ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर जतिन कुकरेजा, अशोक शर्मा, मेहर सिंह, चरणजीत बत्रा, विजय सहगल, आशीष आहूजा, साहिल आहूजा, अरुण आहूजा, अनुजय शर्मा, अमन विरमानी, दीपा विरमानी, साहिल आनंद, प्रेम सागर मल्होत्रा आदि लोग मौजूद रहे।

हल्द्वानी के पास का ये सीक्रेट हिल स्टेशन खूबसूरती में नैनीताल को भी करता है फेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 अगस्त : उत्तराखंड में कई सीक्रेट हिल स्टेशन हैं जहां टूरिस्ट जाते हैं. ये हिल स्टेशन सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं और अपनी ओर आकर्षित करते हैं. यहां हम आपको ऐसे ही एक हिल स्टेशन के बारे में बता रहे हैं, जो हल्द्वानी के पास है और खूबसूरती के मामले में नैनीताल को भी फेल कर देता है।

यह हिल स्टेशन खुर्पाताल है और बेहद सुंदर है. यह एक सुंदर गांव है जहां एक ताल है. इस ताल का नाम भी गांव के नाम पर ही खुर्पाताल है. आसपास घर हैं और उनके बीच में पहाड़ की तलहटी में यह झील बनी हुई है, जहां से आप आसपास के पहाड़ों का नजारा देख सकते हैं. यह झील टूरिस्टों के बीच काफी प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए दूर-दूर से टूरिस्ट आते हैं।

खुर्पाताल झील नैनीताल से सिर्फ 10 किलोमीटर की दूरी पर है. यह खूबसूरत झील प्रकृति की गोद में बसी है. खुर्पाताल झील समुद्र की सतह से 1,635 मीटर की ऊंचाई पर है और चारों तरफ से चीड़ और देवदार के पेड़ों से घिरी है. यहां का मौसम बेहद खुशनुमा रहता है और टूरिस्टों को पसंद आता है।

आप सोच रहे होंगे कि इस ताल का नाम खुर्पाताल कैसे पड़ा तो आपको बताते हैं कि यह ताल दूर से देखने में घोड़े के खुर यानी तलवों की तरह दिखती है. इसी कारण से इसे खुर्पाताल पुकारा जाने लगा।

अगर आपको शांति और सुकून चाहिए तो आप खुर्पाताल जा सकते हैं. यकीन मानिए कि इस ताल को देखने और यहां घूमने के बाद आपको नैनीताल फीका लग सकता है.

नैनीताल में जहां टूरिस्टों की काफी भीड़ जुटी रहती है वहीं खुर्पाताल में आपको कम ही लोग देखने को मिलेंगे.इस झील का पानी रंग बदलता है, जिस कारण भी यह काफी फेमस है. झील के पानी के रंग बदलने का कारण शैवाल है. अगर आपने अभी तक खुर्पाताल नहीं घूमा है तो आप यहां की सैर कर सकते हैं।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग के लिए इंतजार खत्म, देहरादून में सितंबर के महीने होंगे 16 मैच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 29 अगस्त : उत्तराखंड क्रिकेट संघ (CAU) ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग (UPL) के उद्घाटन की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 15 से 22 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के बीच मुकाबले होंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) ने बीते दिन एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के पहले सीजन की घोषणा की।

इस लीग की शुरुआत सितंबर महीने में होगी, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के बीच मुकाबले होंगे। 15 से 22 सितंबर 2024 के बीच आयोजित होने वाली इस लीग में कुल 16 मैच खेले जाएंगे, जिसमें पुरुष की पांच टीमों और महिलाओं की तीन टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। सभी मैच देहरादून के प्रतिष्ठित राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे और इस लीग के मुख्य आयोजनकर्ता SS-PARK Sports & Entertainment हैं।

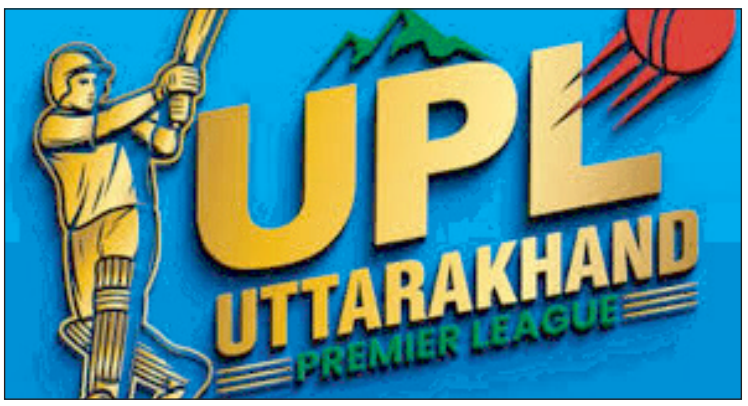

उत्तराखंड राज्य के लिए यूपीएल का आयोजन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह प्रतियोगिता राज्य के क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। यूपीएल के माध्यम से उत्तराखंड से क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को मंच मिलेगा जो राज्य की क्रिकेट की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करेगी। इस लीग का उद्देश्य राज्य के उभरते क्रिकेटरों को एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करना है और इसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। लीग के मुख्य आयोजक एसएसपीएआरके स्पोर्ट्स एण्ड एंटरटेनमेंट होंगे और 01 सितंबर 2024 को देहरादून में यूपीएल प्लेयर ड्राफ्ट का आयोजन किया जाएगा जिससे सभी टीमों को समान अवसर मिलेंगे।

राजकीय प्रधानाचार्य संगठन भी उतरा विरोध में

देहरादून। राजकीय प्रधानाचार्य संगठन ने प्रधानाचार्य के रिक्त पदों पर होने वाली सीधी भर्ती का विरोध किया किया है। संघ ने इसे शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों की पदोन्नति के अधिकारों का हनन बताया है। इस संबंध में बुधवार को राजकीय इंटर कॉलेज सौडा सरोली में अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में सरकार को आंदोलन के लिए चेताया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार शिक्षा विभाग के प्रशासनिक संवर्ग की सीधी भर्ती उपखंड शिक्षा अधिकारी से निर्धारित की जाती है और उसके ऊपर के पदों पर नियमावली के तहत वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति की जाती है, उसी प्रकार से प्रधानाचार्य से पूर्व का पद प्रधानाध्यापक के पद पर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती से भरने की व्यवस्था की जाए।

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों को मुफ्त परामर्श

देहरादून। विश्व फिजियोथैरेपी माह के तहत नव्य भारत फाउंडेशन एवं स्टूडेंट असोसिएशन ऑफ फिजीकल थैरेपी की ओर से एक स्वास्थ्य शिविर नव्य भारत चैरिटेबल फिजियोथेरेपी सेंटर, बालावाला में आयोजित किया गया। जिसमें पीजीआई चंडीगढ के डाक्टरों ने मुफ्त परामर्श एवं दवाएं दी। मुख्य अतिथि मेजर जनरल (रिटा.) कुवंर दिग्विजय सिंह ने किया। डॉ. बिबेक आध्या, डा. हर्ष कुंवर, डॉ. आशीष पाल ने सेवाएं दी और खून की जांच मुफ्त कराई गई। एनबीएफ एवं एसएपीटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिरुद्ध उनियाल, देवानंद डोभाल, प्रेमा उनियाल, खेमराज उनियाल, अजय उनियाल, प्रमिला उनियाल, सिमरन कौर , अभिजीत उनियाल आदि मौजूद रहे।

केवि आईएमए और आर्मी स्कूल सेमीफाइनल में पहुंचे

देहरादून। छठवीं एसपी सिन्हा मेमोरियल अंडर 19 इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में केवि आईएमए और आर्मी स्कूल ने सेमीफाइल में जगह पक्की की। बुधवार को इंडियन पब्लिक राजवाला मैदान पर मुकाबले हुए। स्कूल के हेड ऑफ स्पोर्ट्स अरुण गुसाईं ने बताया कि पहले क्वार्टर फाइनल में केवि आईएमए का सामना ब्रिस्टल स्कूल से हुआ। इसमें केवि आईएमए ने 3-0 से एक तरफ जीत दर्ज की। केवि आईएमए के लिए दिव्यांश ने छठवें, नयाल ने 16वें और 45वें मिनट में गोल दागा। दूसरे क्वाटर फाइनल मैच में वाइन बर्ग एलन स्कूल मसूरी को आर्मी पब्लिक स्कूल क्लेमनटाउन ने 3-0 हराया। आर्मी स्कूल के लिए प्रिंस नेगी ने 14वें व 60वें और आर्यन ने 68वें मिनट में गोल किया।

पर्सनल कंप्यूटर खरीदने से पहले जान लें ये टिप्स, बाद में नहीं होगा पछतावा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : मार्केट में अलग-अलग रेंज में कंप्यूटर के लिए सीपीयू उपलब्ध हैं. यही वजह है कि इसे खरीदते समय लोग यह तय नहीं कर पाते हैं कि आखिर इन में कौन सबसे बेस्ट और टिकाऊ है. सिर्फ इतना ही नहीं लोगों के मन में कई तरह के सवाल भी होते हैं. कई बार दुकानदार सीपीयू बेचने के लिए ग्राहक से झूठ भी बोल देते हैं ऐसी स्थिति में उन्हें आगे चलकर परेशानी होती है. अगर आप भी कंप्यूटर के लिए सीपीयू खरीदना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है।

आपको केवल लुक और डिजाइन देख कर इसे खरीदने से बचना चाहिए. सीपीयू, कंप्यूटर, या फिर लैपटॉप खरीदते समय हमेशा प्रोसेसर, रैम और ग्राफिक कार्ड की जांच जरूर कराएं। मार्केट में बहुत सारे सीपीयू उपलब्ध हैं. इसकी कीमत प्रोसेसर और रैम पर निर्भर करती है. कभी भी कंप्यूटर या लैपटॉप खरीदने से पहले अपनी जरूरत को समझें. इसके अनुसार ही कोई सीपीयू खरीदें. अगर केवल ब्राउजिंग करने के लिए इसे खरीद रहे हो तो आप i3 और i5 प्रोसेसर से भी काम चला सकते हैं. वहीं दूसरी तरफ

जो लोग इससे हेवी वर्क करते हैं उन्हें सबसे लेटेस्ट और पावरफुल प्रोसेसर खरीदने की जरूरत है।

RAM बढ़ाने की सुविधा है या नहींकई बार लोग सीपीयू खरीदते समय इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं. सामान्य यूज के लिए 2GB, 4GB रैम से भी काम चला सकते हैं. लेकिन अगर आप कंप्यूटर से हैवी वर्क करते हो तो कम से कम 8GB रैम होना बहुत जरूरी है. सिर्फ इतना ही नहीं कंप्यूटर का इस्तेमाल करने के साथ ही रैम फुल होने और इसे स्लो होने की समस्या आ जाती है. सीपीयू में इस बात की जांच जरूर करें कि इसे रैम बढ़ाने की सुविधा है या नहीं।

हार्ड ड्राइव में स्टोरेज कम होने की वजह से कई बार कंप्यूटर स्लो हो जाती है. सिर्फ इतना ही नहीं इसकी वजह से कंप्यूटर हैंग भी होने लगती है. इसलिए कभी भी सीपीयू कंप्यूटर या फिर अगर स्मार्टफोन भी खरीद रहे हो तो स्टोरेज यानी हार्ड ड्राइव अधिक से अधिक लेने की कोशिश करें. कंप्यूटर में आप जो भी फाइल सेव करते हैं वह सभी हार्ड ड्राइव में ही जाती है. सिर्फ इतना ही नहीं अगर कोई फिल्मी वेब सीरीज अगर इसमें डाल रहे हो तो इसके लिए भी हार्ड ड्राइव की जरूरत पड़ती है।

Operation systemसीपीयू खरीदते समय ऑपरेटिंग सिस्टम की जांच जरूर करें. अगर आप ऐपल यूजर हैं, तो मैक ओएस खरीद सकते हैं. वहीं दूसरी तरफ विंडोज यूजर की संख्या बहुत अधिक है. अन्य अपडेट इन सिस्टम की तुलना में इसे इस्तेमाल करना भी आसान है. सबसे लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम जो भी सीपीयू सपोर्ट करें उसे खरीदना चाहिए. अगर किसी वजह से विंडोज में प्रॉब्लम आ जाती है तो इसे दोस्तों और रिश्तेदारों से अरेंज भी कर सकते हैं।

अगर आपको वीडियो एडिटिंग और गेमिंग का शौक है तो सीपीयू लेते समय सबसे पहले ग्राफिक कार्ड की जांच करें. इस पर बहुत कम लोग ध्यान देते हैं बाद में उन्हें गेमिंग के समय सही क्वालिटी नहीं मिलने पर इसे लेकर शिकायत रहती है. ज्यादातर कंप्यूटर में AMD और NVIDIA ग्राफिक्स कार्ड का इस्तेमाल होता है. इसके बारे में ज्यादा जानने के लिए PassMark वेबसाइट की मदद ले सकते हैं।

गेमिंग सीपीयूजिस तरह से मार्केट में गेमिंग लैपटॉप उपलब्ध हैं ठीक इसी प्रकार बहुत सारे सीपीयू भी उपलब्ध हैं. अगर आपको गेमिंग का ज्यादा शौक है और लेटेस्ट गेम खेलना पसंद करते हैं तो इसके लिए अधिक रैम और अधिक ग्राफिक कार्ड के साथ ही ऑपरेटिंग सिस्टम और हार्ड डिवाइस लेने की जरूरत है. कई बार गेम खेलते समय सीपीयू गर्म होकर बंद हो जाती है ऐसी स्थिति में इसमें कूलिंग के लिए सुविधा है या नहीं इसकी जांच जरूर करें।

आज के समय में बहुत सारे ऐसे लैपटॉप मार्केट में उपलब्ध हैं जिनमें बहुत कम यूएसबी पोर्ट देखने को मिलती है. अगर आप सीपीयू खरीदने जा रहे हो तो यूएसबी पोर्ट की जांच जरूर करें. कई बार लोग इसके लिए अलग से एक डिवाइस खरीदते हैं, जिसमें पेन ड्राइव लगाकर इस्तेमाल करते हैं. लेकिन अगर सीपीयू में ही बहुत सारे पोर्ट मिल जाए तो आपको अलग से पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

राज्य में जल्द से जल्द निकाय चुनाव कराए जाएं : हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 29 अगस्त , उत्तराखंड में निकाय चुनावों के लगातार टलने से सियासत गरमा गई है। विपक्ष ने सरकार पर निकाय चुनावों को लेकर लापरवाही और असंवैधानिकता का आरोप लगाया है, वहीं सत्ता पक्ष ने पलटवार करते हुए विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा में पारित बिल को प्रवर समिति को भेजना संसदीय परंपराओं का उल्लंघन है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि विधानसभा में नया बिल पेश किया जाए और राज्य में जल्द से जल्द निकाय चुनाव कराए जाएं। रावत ने आरोप लगाया कि सरकार चुनावों से डर रही है और हार का भय सता रहा है।

भाजपा ने विपक्षी आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि सभी पार्टियों को निकाय चुनाव से जुड़ी संवैधानिक प्रक्रिया को समझना चाहिए और राजनैतिक बयानबाजी से बचना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता का रुझान दर्शाता है कि भाजपा की एकतरफा जीत सुनिश्चित है। उन्होंने बताया कि सरकार पहले ही प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद शीघ्र विशेष सत्र बुलाने की बात कर चुकी है।

भट्ट ने स्पष्ट किया कि ओबीसी आरक्षण को लेकर आयोग की रिपोर्ट के आधार पर निगम और निकाय के एक्ट में संशोधन विधेयक विधानसभा में प्रस्तुत किया गया था। कुछ विधायकों की आपत्तियों के कारण इसे प्रवर समिति को सौंपा गया है। सरकार ने पहले ही स्पष्ट किया है कि प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद विशेष सत्र बुलाकर विधेयक पारित किया जाएगा। विधेयक पारित होने के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से ओबीसी आरक्षण का नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा और उस पर आपत्तियां व सुझाव मांगे जाएंगे। सभी जनपदों से प्राप्त रिपोर्ट के बाद चुनाव कराए जाएंगे। भट्ट ने विपक्ष को राजनीतिक लाभ के लिए भ्रमित करने वाली बयानबाजियां बंद करने की सलाह दी।

गेट परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, जानें क्या है आवेदन प्रक्रिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (GATE) 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन-कम-अप्लीकेशन प्रोसेस शुरू हो गया . ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन गेट 2025 की वेबसाइट https://gate2025.iitr.ac.in/ पर करना होगा. इसकी अंतिम तिथि 26 सितंबर है. हालांकि लेट फीस के साथ रजिस्ट्रेशन 7 अक्टूबर तक किया जा सकता है. पहले गेट परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन 24 अगस्त से शुरू होना था. लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया.

गेट परीक्षा का आयोजन 1, 2 15 और 16 फरवरी 2025 को दो शिफ्ट में किया जाएगा. कैंडिडेट्स गेट परीक्षा के दो पेपर में शामिल हो सकते हैं. गेट 2025 के आयोजन की जिम्मेदारी आईआईटी रुड़की के पास है. इस परीक्षा का आयोजन इंजीनियरिंग के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए किया जाता है. इसके ओएनजीसी समेत कई पीएसयू गेट स्कोर के आधार पर भर्तियां भी करती हैं।

गेट परीक्षा का आयोजन 1, 2 15 और 16 फरवरी 2025 को दो शिफ्ट में किया जाएगा. कैंडिडेट्स गेट परीक्षा के दो पेपर में शामिल हो सकते हैं. गेट 2025 के आयोजन की जिम्मेदारी आईआईटी रुड़की के पास है. इस परीक्षा का आयोजन इंजीनियरिंग के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए किया जाता है. इसके ओएनजीसी समेत कई पीएसयू गेट स्कोर के आधार पर भर्तियां भी करती हैं।

गेट परीक्षा के लिए अप्लीकेशन फीस जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों के लिए 1800 रुपये है. लेट फीस के साथ आवेदन करने पर 2300 रुपये देने होंगे. जबकि, महिला, एससी/एसटी, दिव्यांग कैटेगरी के उम्मीदवारों के लिए अप्लीकेशन फीस 900 रुपये है. लेट फीस के साथ 1400 रुपये भुगतान करना होगा।

गेट परीक्षा में सिर्फ एक ही विषय के लिए आवेदन किया जा सकता है. यदि दूसरे पेपर (दो पेपर के कॉम्बिनेशन) में भी उपस्थित होना है तो संबंधित पेपर को ओरिजिनल आवेदन में जोड़ा जा सकता है. दो टेस्ट पेपर का कॉम्बिनेशन गेट परीक्षा की आधिकारिक वेबसाइट पर मौजूद लिस्ट में से चुनना होगा. गेट परीक्षा के लिए एक से अधिक फार्म भरने पर सिर्फ एक ही आवेदन स्वीकार किया जाएगा. शेष आवेदन का शुल्क वापस नहीं होगा.

GATE 2025 : गेट परीक्षा के लिए योग्यताग्रेजुएशन फाइनल ईयर स्टूडेंट या इंजीनियरिंग/ टेक्नोलॉजी/ आर्किटेक्चर/ साइंस/ कॉमर्स/ आर्ट्स/ ह्यूमैनिटीज में डिग्री हासिल करने वाले गेट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं. इसके लिए कोई उम्र सीमा नहीं है.

GATE 2025 : कितने अंकों की होगी परीक्षा ?गेट 2025 परीक्षा कुल 100 अंकों की होगी. यह कुल तीन घंटे की होगी. परीक्षा में तीन टाइप के प्रश्न पूछे जाएंगे- बहुविकल्पीय (MCQ), मल्टीपल सेलेक्ट क्वेश्चन (MSQ) और न्यूमेरिकल आंसर टाइप (NAT). प्रत्येक प्रश्न के चार ऑप्शन होंगे. इसमें जनरल एप्टीट्यूड से 15 प्रश्न, इंजीनियरिंग मैथमेटिक्स से 13 और सब्जेक्ट से 72 प्रश्न पूछे जाएंगे.

केदारनाथ गृर्भ गृह में सोना प्रकरण की जांच सार्वजनिक करे सरकार: नेता प्रतिपक्ष

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने केदारनाथ गर्भ गृह में सोना दान किए जाने के मामले में गठित जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई और ईडी से कराए जाने की मांग की है। इस मामले में आर्य ने बुधवार को प्रकरण से जुड़े कई बिंदु मीडिया से साझा किए। आर्य ने केदारनाथ गर्भ गृह में सोना लगाने के संबध में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महाराज ने अपने बयान में कहा था कि जब दानदाता ने 23 किलो की पर्ची कटवाई तो 228 किलो सोना कैसे गायब हुआ? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अक्तूबर 2022 में मंदिर के कपाट बंद होने से पहले जब सोना लगा, तब प्रेस और मीडिया में व्यापक रुप से प्रचारित किया गया कि 228 किलो सोना लगा है। यदि 228 किलो सोना लगाने की खबर गलत थी तो मंदिर समिति या सरकार को तुरंत इसका खंडन करना चाहिए था।

आर्य ने कहा कि उस समय प्रकाशित खबरों से पता चला था कि, मंदिर समिति के अध्यक्ष ने तब केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र भेजकर कहा था कि इतनी अधिक मात्रा में सोना लगने के बाद केदारनाथ मंदिर की सुरक्षा केन्द्रीय सुरक्षा बलों को दी जानी चाहिए। आर्य ने कहा कि इस मामले में स्वयं मंदिर समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से घोटाले की आशंका व्यक्त करते हुए जांच की मांग की थी।

मामला बढ़ने पर धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने स्वयं धर्मस्व सचिव को सोना लगाने के मामले की जांच करने को निर्देशित किया था। महाराज ने 23 जून को ट्वीट कर अपने आदेश की जानकारी सार्वजनिक की थी। तब उन्होंने कहा था कि सोने के मामले में वे जल्दी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार या महाराज को मंदिर समिति की उस बैठक के कार्यवृत्त को जारी करना चाहिए, जिसमें समिति की ओर से सर्वसम्मति के साथ सोना दान लेने का निर्णय लिया गया था। उस अधिकारी या कर्मचारियों की समिति का खुलासा करना चाहिए, जिसकी देखरेख में सोने को परतों में बदला गया और फिर तांबे के ऊपर कोटिंग कर लगाया गया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2022 से लेकर अब तक के घटनाक्रमों से यह साफ होता है कि केदारनाथ मंदिर के गर्भ गृह में सोना लगाना एक बड़ा घोटाला है, यह तब तक नहीं खुल सकता, जब तक इसकी जांच सीबीआई और ईडी न करे।

संक्षिप्त खबरें

संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण को सचिवालय कूच का ऐलान

देहरादून। उत्तराखंड में दैनिक वेतन, संविदा, पीटीसी, उपनल कर्मचारियों को नियमित किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज होने जा रहा है। राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने तीन सितंबर को सचिवालय कूच का ऐलान किया है। रैली वाले दिन ही अनिश्चितकालीन हड़ताल के रूप में कार्य बहिष्कार का ऐलान किया जाएगा। महासंघ की बुधवार को देहरादून गांधी रोड में हुई बैठक में आंदोलन का ऐलान किया गया। महासंघ अध्यक्ष दिनेश गोसाईं ने कहा कि जिन भी संविदा, दैनिक वेतन, पीटीसी, उपनल कर्मचारियों ने 10 वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। उन्हें नियमित किया जाए। जल्द से जल्द नियमितीकरण की प्रक्रिया को पूरा किया जाए। सरकार के पास अब कोई बहाना नहीं है, क्योंकि हाईकोर्ट की ओर से कोई एक बार नहीं, बल्कि कई बार कर्मचारियों को नियमित किए जाने के आदेश किए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, हाईकोर्ट ने साफ किया है कि जो कर्मचारी तत्काल नियमित नहीं हो सकते, उन्हें समान काम का समान वेतन उपलब्ध कराया जाए। महासचिव बीएस रावत ने कहा कि संविदा कर्मचारियों की मांगों को लेकर तीन सितंबर को परेड ग्राउंड से सचिवालय कूच किया जाएगा। प्रदेश भर से कर्मचारी इस कूच में शामिल होंगे। रैली में सभी निगम संघ, यूनियन, संगठन, परिषद अपने अपने बैनर तले शामिल होंगी। रैली के ही दिन अगले कार्य बहिष्कार, टूल डाउन का ऐलान कर दिया जाएगा। बैठक में दिनेश पन्त, प्रेम सिंह रावत, शीशपाल रावत, टीएस बिष्ट, श्याम सिंह रावत, मेजपाल , संदीप मलहोत्रा, गौरब बर्नवाल, ओम प्रकाश भट्ट, राजेश रमोला, चतर सिंह, जीवा नन्द, दिवाकर शाही, राकेश पेटवाल आदि मौजूद रहे। महासंघ की बैठक में आन्दोलन को सुचारू रूप से चलाने को दिनेश पन्त को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। बैठक में तय हुआ कि महासंघ के घटक संघ, संगठन, परिषद, यूनियन अपने अपने विभागीय अध्यक्षों को आंदोलन का नोटिस जारी करेगें।

विरोधः दो सितंबर को चौक डाउन करेंगे शिक्षक

देहरादून। शिक्षक संगठनों ने प्रदेश में प्रधानाचार्य के पद पर सीधी भर्ती का विरोध किया है। इसके साथ ही राजकीय शिक्षक संघ ने आंदोलन का ऐलान कर दिया है। संघ का कहना है कि यदि सरकार 30 अगस्त तक इस आदेश का निरस्त नहीं करती है तो संघ दो सितंबर से आंदोलन शुरू कर देगा। दो सितंबर से शिक्षक विद्यालयों में चौक डाउन करेंगे। इस संबंध में बुधवार को डायट देहरादून में राजकीय शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें गढ़वाल एवं कुमाऊं मंडल के अध्यक्ष और मंत्री ने भी प्रतिभाग किया। बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। इसमें तहत एक 30 अगस्त को दोनो मंडल अपने जनपदों में बैठक करेंगे। जबकि, दो सितंबर को विद्यालय में चौक डाउन की जाएगी। पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं, छह सितंबर को जिला मुख्यालयों में सभी शिक्षक व्यक्तिगत अवकाश (सीएल) लेकर आंदोलन करेंगे। इसके बाद नौ सितंबर को प्रांतीय और मंडल की सभी कार्यकारिणी निदेशालय में धरना प्रदर्शन करेंगी। इसके बाद क्रमिक अनशन शुरू कर दिया जाएगा। इसके तहत 10 सितंबर को देहरादून, नैनीताल और रुद्रप्रयाग, 11 को हरिद्वार, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी, 12 को टिहरी, चंपावत और 13 सितंबर को ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़ और चमोली में क्रमिक अनशन किया जाएगा। जबकि 14 सितंबर को पौड़ी और बागेश्वर में आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

डिलीवरी बाय के साथ देर रात झगड़ा कर रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। क्लेमनटाउन में देर रात हुड़दंग करने के तीन आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए। क्लेमनटाउन थानाध्यक्ष दीपक धारीवाल ने बताया कि मंगलवार रात ग्राफिक एरा संस्थान के गेट संख्या दो के पास स्विगी डिलीवरी बाय के साथ कुछ लड़के शराब के नशे में धुत होकर हल्ला और गाली गलौच कर रहे थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपियों को समझाने की कोशिश की गई। वह नहीं माने। मौके से पुलिस ने आयुष उम्र 20 वर्ष निवासी गुरुद्वारा कॉलोनी, क्लेमनटाउन, मोहित सिंह थापा उम्र 22 वर्ष हाल निवासी निकट ग्राफिक एरा मूल निवासी खटीमा कंजाबाद, यूएनगर और यश नेगी उम्र 24 वर्ष निवासी राघव विहार, प्रेमनगर को बीएनएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया गया। तीनों की मेडिकल में नशे में होने की पुष्टि हुई।

स्मार्ट सिटी बस के परिचालक से मारपीट, मोबाइल छीना

देहरादून। स्मार्ट सिटी की एक ई-बस के परिचालक से बस में सवार दो युवकों ने मारपीट की। आरोप है कि युवकों ने टिकट भी नहीं लिया और बस में सवार अन्य यात्रियों से अभद्रता की। मामले में डालनवाला थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर डालनवाला मनोज कुमार मेनवाल ने बताया कि अतुल कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया कि मंगलवार शाम स्मार्ट सिटी की बस में बतौर कंडक्टर सहस्रधारा से आईएसबीटी जा रहे थे। आईटी पार्क से दो लड़के बस में सवार हुए। दोनों को टिकट लेने को बोलो तो कहा कि लैंसडौन चौक के पास जाकर टिकट के रुपये दे देंगे। आरोप है कि दोनों ने बस के लैंसडौन चौक के पास पहुंचनं पर उसमें सवार लोगों से बदतमीजी शुरू कर दी। कंडक्टर ने रोका तो मारपीट करने लगे। मारपीट में कंडक्टर का मोबाइल छीन लिया। कंडक्टर का कहना है कि इस दौरान टिकट मिलने से आई नगदी भी गायब हो गई। आरोपी इसके बाद बस से उतरकर फरार हो गए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की पहचान की कोशिश कर रही है।

स्पेन ने रचा इतिहास, T20 में बना डाला यह वर्ल्ड रिकॉर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 29 अगस्त : स्पेन की फुटबॉल टीम गजब की है। वह विश्व की सबसे बेहतरीन फुटबॉल खेलने वाली टीमों में से एक हैं। हालांकि क्रिकेट में स्पेन काफी ज्यादा कमजोर और पीछे है। वह अब भी इस खेल में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन अगर हम आपको बताए कि स्पेन ने क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया और भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी टीमों को पीछे छोड़ दिया। क्या आप इस बात पर विश्वास कर पाएंगे? लेकिन असल में ऐसा ही हुआ है। स्पेन क्रिकेट टीम ने एक ऐसा वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है, जिससे उन्होंने सबको हैरान कर दिया।

स्पेन ने यूरोप टी20 वर्ल्ड कप सब रीजनल क्वालीफायर में ग्रीस को हराकर इतिहास रच दिया। वह टी20 में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बन गई है। स्पेन ने लगातार 14 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले जीतकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। यह कारनामा आज तक भारत या ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम भी नहीं कर पाई। हालांकि टीम इंडिया संयुक्त रूप से शीर्ष 12 देशों में लगातार सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने वाली टीम है। उन्होंने अफगानिस्तान के साथ-साथ टी20 में लगातार 12 मैच जीते हैं। आज तक शीर्ष 12 टीमों में लगातार ऐसा कारनामा भारत और अफगानिस्तान के अलावा किसी और ने नहीं किया।

स्पेन के कोच ने इतिहास रचने के बाद क्या कहा?

स्पेन के कोच कोरी रटगर्स ने क्रिकबज से कहा, ₹यह एक गर्व का रिकॉर्ड है, हम निश्चित रूप से रिकॉर्ड के लिए नहीं खेलते हैं। लेकिन यह ग्रुप के लिए खास है। स्पेन में कुछ साल परिवर्तनकारी रहे हैं, और बहुत सारा श्रेय उन खिलाड़ियों को जाता है जो एस्पाना, प्रबंधन और मेरे कोचिंग स्टाफ के लिए खेलने के लिए अपना बहुत समय देते हैं। इसमें शामिल सभी लोगों के लिए इससे ज्यादा गर्व की बात नहीं हो सकती।'

टी20आई में लगातार सबसे अधिक जीत हासिल करने वाली टीमेंस्पेन-14मलेशिया-13बरमुडा-13भारत-12अफगानिस्तान-12

बधाई लेने वाले किन्नर समाज के लिए जारी हो एसओपी

देहरादून। संगठन नागरिक संगठन ने मांगलिक समेत विभिन्न शुभ कार्यों पर लोगों से जबरन बधाई के नाम पर वसूली करने वाले किन्नर समाज के लिए एसओपी जारी करने की मांग की है। संगठन ने बुधवार को इसके लिए मुख्य सचिव और डीजीपी को ज्ञापन भेजा है। संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि किन्नर समाज की ओर से पारिवारिक मांगलिक कार्यों, बच्चों के जन्म, त्योहारों, आवास के निर्माण आदि पर अनाधिकृत रूप से लोगों को बद्दुआओं का डर दिखाकर बधाई के रूप में जबरन वसूली की जाती है। कहा कि ऐसे लोगों के लिए एसओपी जारी होनी चाहिए। आवास स्वामी या किराएदार की अनुमति के बगैर यह आवास के अंदर प्रवेश ना करें। अपना आधार कार्ड दिखाएंगे। इसके साथ ही बधाई के रूप में ली जाने वाली अधिकतम राशि भी तय होनी चाहिए। शोर मचाने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

क्रेच केंद्रों में मिलेंगी डे-बोर्डिंग जैसी सुविधाएं

देहरादून। प्रदेश में आने वाले समय में क्रेच केंद्रों को डे-बोर्डिंग की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। इन केंद्रों में तमाम तरह की मूलभूत सुविधाएं जुटाई जाएंगी। इसके साथ ही आबकारी विभाग की ओर से मिलने वाली एक प्रतिशत सेस की धनराशि के खर्च के लिए नियमावली तैयार की जाएगी, जिसे अनुमोदन के लिए कैबिनेट में लाया जाएगा।

संपादकीय

'दीदी' की अग्नि-परीक्षा

यह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अग्नि-परीक्षा का दौर है। बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडक़ों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक़ से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था। आज ममता ऐसे ही आंदोलनों के युवाओं और छात्रों को 'गुंडा' करार दे रही हैं। बंगाल पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां भांजी, पानी की तेज धार मारी, आंसू गैस के गोले दागे और बाद में हिरासत में भी बंद कर दिया। सचिवालय तक के रास्ते में 27 बैरिकेड्स स्थापित किए, 26 डीसीपी सरीखे वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए, 6000 से ज्यादा पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के जवान तैनात किए। लोहे की दीवारें खड़ी की गईं, जिन पर तेल और ग्रीस मला गया। क्या कोई रणक्षेत्र सजा था? 'दीदी' ने किससे युद्ध करने को अपने जवान तैनात कराए थे? आंदोलनकारी 'नबन्ना सचिवालय' तक मार्च करना चाहते थे और डॉक्टर बिटिया के साथ 'रेप-मर्डर' की नृशंसता का न्याय मांग रहे थे। आंदोलन और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन तो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आंदोलनकारियों ने कुछ पथराव किया, तो उनके मानसिक रोष को समझना चाहिए था। आंदोलन की ताकत इसी से समझी जा सकती है कि 80,000 से अधिक युवा और छात्र सडक़ पर आंदोलित हुए। यह ममता बनर्जी की सत्ता के खिलाफ सामूहिक लहर का एक प्रमाण है। यह 2026 के जनादेश को भी तय कर सकता है। ममता-विरोधी आंदोलनों ने कोलकाता के बाहर और पश्चिम बंगाल के पार खासकर बंगालियों को जगा दिया है। ये उनके लिए चेतावनी की घंटी है। औसतन बंगाल महिला-सुरक्षा और सम्मान का पक्षधर रहा है। बंगाल देवी दुर्गा और मां काली की आराधना-स्थली है। अगले माह दुर्गा पूजा और फिर दीपावली के त्योहार हैं। आह्वान किए जा रहे हैं कि ये त्योहार न मनाए जाएं। आखिर एक बेटी को कुचल कर मारा गया है। इंसाफ अभी निश्चित नहीं है, क्योंकि सीबीआई की जांच जारी है। साक्ष्य मिटा दिए गए थे, जब हजारों की भीड़ एक रात में अचानक अस्पताल तक आई और सब कुछ तबाह कर दिया। बंगाल पुलिस उस भीड़ को तो रोक नहीं पाई। बल्कि उसकी खुफिया सूचना तक हासिल नहीं कर पाई। 'दीदी' को इन सभी अपराधों के जवाब देने होंगे। कोलकाता के आंदोलनकारी 'दीदी' ममता की प्रतिक्रिया जानना चाहते थे। 'रेप-मर्डर' बर्बर मामले के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने ही अस्पताल के प्रशासन और पुलिस के निकम्मेपन का बचाव किया है, लिहाजा ममता की भूमिका को भी अक्षम्य माना गया। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने ऐसी ही तल्ख टिप्पणियां की थीं। ममता इन आंदोलनों को राम-वाम और कांग्रेस पर थोप कर अग्नि-परीक्षा पार नहीं कर सकतीं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बालिकाओं को सिखाएं गए आत्म सुरक्षा के गुर

हरिद्वार। श्री मिथिलेश सनातन धर्म इंटर कॉलेज, सतीघाट, कनखल में राष्ट्रीय खेल दिवस की पूर्व संध्या पर बालिकाओं को आत्म सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। छात्राओं को मार्शल आर्ट, वुशू की राष्ट्रीय कोच आरती सैनी ने कई उपयोगी गुर सिखाए। इस अवसर पर हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का भावपूर्ण स्मरण किया गया। इसका आयोजन डिस्ट्रिक्ट वुशु एसोसिएशन ,हरिद्वार एवं डायनेमिक स्पोर्ट्स एकेडमी, मिस्सरपुर की ओर से किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने श्रीसनातन धर्म प्रतिनिधि सभा (पंजाब) नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष त्याग मूर्ति गोस्वामी गणेश दत्त की प्रतिमा पर पुष्पमाला पहना कर किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर निकाला पैदल मार्च

हरिद्वार। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को विकास भवन से डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। उन्होंने जिला अधिकारी कार्यालय परिसर में जमकर नारेबाजी भी की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के नाम दस सूत्रीय ज्ञापन डीएम को सौंपा। जिलेभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का जमावड़ा बुधवार को रोशनाबाद में विकास भवन के बाहर मुख्य मार्ग पर लग गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर आई थी। उन्होंने विकास भवन से पैदल मार्च निकाला। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी विभिन्न मांगों को जल्द पूरा करने की मांग कर रही थी।

सगाई के बाद बनाए अवैध संबंध, बाद में रिश्ता तोड़ा

हरिद्वार। टिहरी गढ़वाल निवासी युवती के साथ सगाई के बाद युवक ने शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि संबंध बनाने के बाद आरोपी ने रिश्ता तोड़ दिया। कोतवाली के एक होटल में उसके साथ अवैध संबंध शहर बनाए गए थे। केस दर्ज होने के बाद मामले को हरिद्वार ट्रांसफर कर दिया है। शहर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाली प्रभारी कुंदर सिंह राणा के मुताबिक टिहरी गढ़वाल के एक गांव निवासी युवती ने एसएसपी टिहरी को शिकायत देकर बताया था कि मई में अक्की राणा निवासी चंबा केमवाल से सगाई हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

उफान पर आए नालों के बीच फंसे लोगों को पुलिस ने सकुशल निकाला

अल्मोड़ा। भतरौंजखान थानांर्गत मोहान के पास रात भारी वर्षा के चलते दो नाले उफन पड़े, जिसमें भारी मलबा बहकर आया। इस मलबे में कुछ वाहन फंस गए और वाहन आगे नहीं बढ़ सके। फंसे वाहनों के साथ गर्भवती महिला को ले जा रही एंबुलेंस भी फंस गई। नाले उफान पर आने के चलते करीब ढाई सौ लोग फंस गए। रात में पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाकर जेसीबी की मदद से वाहन निकाले और आवागमन साफ किया। तब जाकर फंसे वाहन व लोग अपने गंतव्य को जा सके। मंगलवार रात अल्मोड़ा जनपद के थाना भतरौजखान अंतर्गत मोहान के पास भारी बारिश के कारण दो नालों के बीच रात कई वाहन फंस गए, जिसमें करीब ढाई सौ लोग भी फंसे रह गए। मलबे में फंसने के कारण कुछ वाहनों के पहिए जाम हो गए थे। इसी सूचना रात थाना भतरौजखान पुलिस को मिली। सूचना पर थानाध्यक्ष सुशील कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान चलाया। मलबे में फंसे वाहनों को जेसीबी की मदद से निकाला गया। इसके बाद फंसे वाहनों का संचालन हो सका और फिर बीच में फंसे सभी वाहन निकल गए। बीच में गर्भवती महिला को अस्पताल ले जा रही एक एंबुलेंस भी फंसी हुई थी, उसे भी सुरक्षित निकालकर गंतव्य को भेजा गया। इसके बाद फंसे लोगों ने राहत की सांस ली और सभी ने पुलिस टीम का आभार जताया।

गैरसैंण राजधानी ही अब पहाड़ के विकास का एकमात्र विकल्प

अल्मोड़ा। गांधी पार्क में धरना देते हुए राज्य आंदोलनकारियों ने कहा कि गैरसैंण राजधानी ही अब पहाड़ के विकास का एकमात्र विकल्प है इसलिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी को एक मंच पर आकर यह लड़ाई लड़नी होगी। पहाड़ के अस्तित्व को बचाने के लिए जहां एक सशक्त भू कानून की आवश्यकता है वहीं विगत सरकारों द्वारा भूमि की खरीद फरोख्त के लिए खुली छूट दिये जाने वालों कानून अविलंब समाप्त किए जाय। बुधवार को आयोजित धरने पर वक्ताओं ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के त्याग और बलिदान को देखते हुए उन्हें एक सम्मानजनक पेंशन कम से कम 20 हजार दी जाए। वंचित राज्य आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण शीघ्र किया जाय तथा घोषणा के अनुरूप आश्रितों को पेंशन दी जाय। राज्य आंदोलनकारियों ने राज्य की राजधानी व जिला मुख्यालयों में निशुल्क रात्रि विश्राम की व्यवस्था, सभाकक्ष, कार्यालय कक्ष उपलब्ध कराने की भी मांग की है। इस सम्बन्ध में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तराखंड को भेजते हुए एक प्रति जिलाधिकारी अल्मोड़ा को भी भेजी गयी है। यहाँ धरने में ब्रह्मानन्द डालाकोटी, शिवराज बनौला, दौलत सिंह बगड्वाल, गोपाल बनौला, देवनाथ गोस्वामी, रवीन्द्र विष्ट, हयात रावत, पानसिंह, महेश पांडे, तारा दत्त भट्ट, नारायण राम, सुंदर सिंह, गोपाल गैड़ा, पूरन सिंह, बिशंभर पेटशाली, लक्ष्मण सिंह, तारा देवी, देवकी देवी, सहित बड़ी संख्या में राज्य आंदोलनकारी सम्मिलित हुए।

नगर निगम अल्मोड़ा के वार्डों के परिसीमन पर प्राप्त आपत्तियों पर हुई सुनवाई

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी विनीत तोमर की अध्यक्षता में आज नगर पालिका परिषद अल्मोड़ा को नगर निगम में उच्चीकृत किए जाने के संदर्भ में नगर निगम अल्मोड़ा के वार्डों के परिसीमन पर प्राप्त सुझावों और आपत्तियों की सुनवाई कलैक्ट्रेट सभागार में की गई। इस बैठक में विभिन्न वार्डों के स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार और आपत्तियां प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि नगर निगम के परिसीमन का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना और विकास के कार्यों को सुगमता से क्रियान्वित करना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी सुझावों और आपत्तियों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और उचित निर्णय लिए जाएंगे जिससे नगर निगम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के निवासियों को कोई असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्राप्त सुझावों और आपत्तियों का समुचित अध्ययन किया जाए और उसकी रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र ही अगली बैठक में प्रस्तुत किया जाए। इस बैठक में उप जिलाधिकारी सदर जयवर्धन शर्मा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका भरत त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

टूटा वरुणावत पर्वत, पहाड़ की सरकार अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 29 अगस्त , वरुणावत पर्वत से 21 साल बाद फिर से मलबा और बड़े-बड़े पत्थर गिरने से लोग दहशत में आ गए हैं. बता दें कि 2003 के दौरान मस्जिद मोहल्ले सहित गोफियारा वाले क्षेत्र तक और तांबाखाणी रोड पर भी बड़े-बड़े पत्थर गिरे थे. उस दौरान भूस्खलन में भटवाड़ी रोड के कई बहुमंजिला भवन जमीदोंज हो गए थे. जिसके बाद वहां से लोगों को दूसरी जगह सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया था.उत्तरकाशी के वरुणावत पर्वत पर एक बार फिर से लैंडस्लाइड होने लगा है. वरुणावत पर्वत लैंडस्लाइड की घटना से स्थानीय प्रशासन के साथ ही उत्तराखंड सरकार भी सकते में है.

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम उत्तरकाशी ने तकनीकी समिति का गठन कर दिया है. ये समिति वरुणावत पर्वत लैंडस्लाइड मामले की जांच करेगी. इसके साथ ही उत्तराखंड आपदा प्रबंधन भी इस घटना को लेकर बेहद गंभीर है. आपदा प्रबंधन विभाग ने एक इन्वेस्टिगेशन टीम मौके के रवाना कर दी है.आपको बता दें उत्तरकाशी वर्णावत पर्वत पर देर रात तकरीबन 11 बजे लैंडस्लाइड हुआ. यहां पर्वत का एक हिस्सा गिर गया. जिसके बाद अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया. इस घटना के बाद उत्तरकाशी की 2003 के हुए भीषण भूस्खलन की कड़वी यादें भी ताजा हो गई. इस मामले को लेकर आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया देर रात हुई इस घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर प्रशासन ने जांच टीम मौके पर भेज दी हैं.सचिव आपदा प्रबंधन ने बताया भूस्खलन से अब तक किसी तरह की जनहानि और पशु हानि की सूचना नहीं हैं.

उन्होंने कहा जिलाधिकारी के माध्यम से एसडीएम की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है. यह कमेटी पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर एक दिन के भीतर शासन को देगी. रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जाएगी. उन्होंने बताया अगग जरूरत पड़ी तो इसका टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन के लिए उच्चस्तरीय इन्वेस्टिगेशन भी करवाया जाएगा. साल 2003 में उत्तरकाशी के बिल्कुल ऊपर मौजूद वरुणावत पर्वत ढहने लगा था. धीरे-धीरे पूरा पहाड़ शहर के ऊपर गिरने लगा था. जिसे देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री एनडी तिवारी सरकार ने तत्काल एक्शन लिया. उन्होंने 250 करोड़ की लागत से पूरे वरुणावत पर्वत का ट्रीटमेंट करवाया. लगातार कमजोर होते वरुणावत पर्वत के चलते एक अंडरग्राउंड सुरंग भी बनाई गई. जिससे आने जाने वालों के ऊपर जोखिम को कम किया जा सके. उसके बाद लगातार यहां पर सरकारो ने अपनी निगरानी रखी.

श्रीनगर की इस दुकान की चॉप्सी नहीं चखी तो क्या चखी, पूरे गढ़वाल में मशहूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 29 अगस्त : श्रीनगर शहर को गढ़वाल मंडल का केंद्र माना जाता है. यहां खानपान की कोई कमी नहीं है. फास्ट फूड से लेकर पहाड़ी खाने तक, सब कुछ आसानी से मिल जाता है. आज से 50 साल पहले जब पहाड़ों में फास्ट फूड जैसे चाऊमीन, मोमो, नूडल्स आदि का दौर नहीं था, तब उत्तराखंड स्वीट्स शॉप की चॉप्सी पूरे गढ़वाल में मशहूर थी. हालांकि अब इस दुकान का नाम उत्तराखंड स्वीट्स शॉप से बदलकर न्यू उत्तराखंड स्वीट्स शॉप हो गया है, लेकिन चॉप्सी का स्वाद आज भी वही है. यहां की चॉप्सी श्रीनगर में ही नहीं बल्कि पूरे गढ़वाल में मशहूर है और लोग चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी जैसे दूरदराज के इलाकों से चॉप्सी खाने के लिए यहां आते हैं।

न्यू उत्तराखंड स्वीट्स शॉप के संचालक सतवीर बिष्ट ने लोकल 18 से बातचीत में कहा कि उनकी दुकान को 50 साल हो गए हैं. 50 वर्षों से वह लोगों को लजीज चॉप्सी खिला रहे हैं. जब लोग फास्ट फूड के बारे में जानते भी नहीं थे, तब से वह लोगों को चॉप्सी परोस रहे हैं. वह बताते हैं कि चॉप्सी बनाने के लिए पहले नूडल्स को तलते हैं, फिर पानी में प्याज, शिमला मिर्च, पनीर और मसाले डालते हैं. इसके बाद अरारोट और नूडल्स को मिलाते हैं और इस तरह चॉप्सी तैयार हो जाती है. चॉप्सी का स्वाद नूडल्स से अलग होता है और यह सूप के साथ भी खाने में क्रिस्पी होती है. इससे खाने वाले का पेट तो भर जाता है लेकिन मन नहीं भरता।

उन्होंने कहा कि एक प्लेट चॉप्सी की कीमत 100 रुपये है और इसे दो लोग मिलकर खा सकते हैं. चॉप्सी बनाने की शुरुआत उनकी दुकान में एक बंगाली कारीगर ने की थी. उस समय तक पहाड़ों में लोग नूडल्स के बारे में जानते भी नहीं थे. धीरे-धीरे लोगों को इसका स्वाद पसंद आने लगा और वे चॉप्सी के दीवाने होते चले गए। उन्होंने कहा कि एक प्लेट चॉप्सी की कीमत 100 रुपये है और इसे दो लोग मिलकर खा सकते हैं. चॉप्सी बनाने की शुरुआत उनकी दुकान में एक बंगाली कारीगर ने की थी. उस समय तक पहाड़ों में लोग नूडल्स के बारे में जानते भी नहीं थे. धीरे-धीरे लोगों को इसका स्वाद पसंद आने लगा और वे चॉप्सी के दीवाने होते चले गए।

आपदा प्रबंधन कार्यशाला में आपदा से बचाव के तरीके बताए

अल्मोड़ा। डॉ आर एस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी नैनीताल द्वारा आयोजित दो दिवसीय आपदा प्रबंधन कार्यशाला का विकास भवन सभागार में उपजिलाधिकारी सदर जयवर्धन शर्मा की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ। मास्टर ट्रेनर डॉ ओम प्रकाश ने प्रतिभागियों को आपदा के विभिन्न प्रकारों जैसे भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, आगजनी आदि के प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अपने व्यक्तिगत अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि महानिदेशक डॉ आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी बी पी पाण्डे के दिशा निर्देशों में जनपद अल्मोड़ा में आपदा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आपदा के समय तत्परता और कुशलता से कार्य करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल का विकास करना है। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, पीआरडी जवानों और आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। खोज एवं बचाव उपकरणों का प्रदर्शन व उपयोग की जानकारी मास्टर ट्रेनर आलोक वर्मा द्वारा दी गई। जिला पंचायती राज अधिकारी राजेन्द्र सिंह गुंजवाल ने आपदा प्रबंधन में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका के संबंध में जानकारी दी। कार्यशाला में जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पॉल व प्रशिक्षणार्थी आदि उपस्थित रहे।

लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को किया सम्मानित

अल्मोड़ा। जिले के आकांक्षी ब्लाक स्याल्दे में 'लखपति दीदी' योजनांतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान विकासखंड स्याल्दे में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रदान किया गया। ब्लॉक समन्वयक गोविंद सिंह डसीला ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योजना एक महत्वपूर्ण कदम है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करना और उन्हें समाज में एक सम्मानजनक स्थान दिलाना है।

कनखल दादूबाग स्थित शुकदेव कुटी में हुआ संत सम्मेलन का आयोजन

हरिद्वार। कनखल दादूबाग स्थित शुकदेव कुटी में बुधवार को संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुकदेव कुटी के परमाध्यक्ष महंत बलवंत सिंह के संयोजन एवं महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज की अध्यक्षता में आयोजित संत सम्मेलन में महंत बलवंत सिंह के शिष्य सिख संगत गुजरात के महामंत्री पवन सिंधी का जन्मोत्सव भी मनाया गया। विभिन्न अखाड़ों के संत महापुरूषों ने पवन सिंधी को आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। महंत बलवंत सिंह ने कहा कि राष्ट्र की एकता अखंडता कायम रखने में संत महापुरूषों की अहम भूमिका है। संत महापुरूषों ने हमेशा समाज का मार्गदर्शन कर सनातन धर्म संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में योगदान किया। उन्होंने कहा कि पवन सिंधी सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ समाज को एकजुट करने में अपना योगदान दे रहे हैं। पूर्व दर्जाधारी सुखदेव सिंह नामधारी ने कहा कि समाज कल्याण के लिए सर्वस्व अर्पण करने वाले संत महापुरूषों के सानिध्य में कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

संक्षिप्त खबरें

भेल में चोरी करने वाले चार गिरफ्तार, 50 लाख का माल बरामद

हरिद्वार। बीएचईएल में एक करोड़ रुपये से अधिक की कीमती धातु की चोरी मामले में पुलिस ने बुधवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कई बार भेल से चोरी की। पुलिस का दावा है कि 50 लाख रुपये का माल बरामद हुआ है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने रोशनाबाद में चोरी का खुलासा कर बताया कि सभी चोर शातिर हैं और पेशे से कबाड़ी हैं। ज्वालापुर के कबाड़ी शाहनवाज उर्फ शानू की चोरी में अहम भूमिका है।

भेल से नाले के रास्ते बाहर आता था माल : हरिद्वार। चोरों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कई दिन रेकी करने के बाद उन्होंने घटना को अंजाम दिया। एसएसपी ने बताया कि कई दिन तक उन्होंने माल चोरी करने के बाद आसपास जंगल में छुपा कर रखा। इसके बाद भेल से लीडो क्लब के पास बाहर निकलने वाले नाले के रास्ते से चोरी का माल खींच कर बाहर लाया गया। यहां से कबाड़ी ने अपनी गाड़ी में माल ज्वालापुर ले जाकर ठिकाने लगाया। इसके बाद मुजफ्फरनगर का कबाड़ी चोरी के माल को खरीद कर ले गया।

आयोग ने आंसर-की पर तीन सितंबर तक आपत्ति मांगी

हरिद्वार। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की ओर से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यदेशक, सर्वेयर शिशिक्षु (फौरमेन अनुदेशक) परीक्षा-2023 (क्स्तुनिष्ठ प्रकार) के वैकल्पिक विषयों (सिविल, यांत्रिक, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटर, रेफ्रीजरेशन और एयर कन्डीशनिंग, ऑटोमोबाईल इन्जीनियरिंग) की चारों सीरीज (ए,बी, सी और डी) की आंसर-की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को चारों सीरीज के किसी प्रश्न एवं उत्तर विकल्प पर कोई आपत्ति है तो आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आंसर-की ऑब्जेक्शन के लिए दिए गए लिंक पर जाकर अपनी आपत्तियों को आयोग की ओर से जारी दिशा निर्देश के अनुसार 28 अगस्त से तीन सितम्बर 2024 तक दर्ज करा सकते हैं।

विश्व की सबसे प्राचीन और महान संस्कृति है सनातन धर्म संस्कृतिः कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार। निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार और अनाचार बढ़ा है। भगवान ने अवतार लेकर मानवता की रक्षा की है। दक्षिण काली मंदिर में विश्व शांति के लिए आयोजित दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के समापन पर श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और महान संस्कृति है। सनातन धर्म संस्कृति के महापुरूषों ने सदैव विश्व का मार्गदर्शन कर कल्याण का मार्ग दिखाया और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरू के सानिध्य में सद्मार्ग पर चलने से जीवन भव सागर से पार हो जाता है।

हरिद्वार के बिहारीनगर गांव को बनाया अश्वगंधा विलेज

हरिद्वार। अश्वगंधा सहित अन्य जड़ी बूटियों की मांग इन दिनों तेजी से बढ़ी है। जड़ी-बूटियों की खेती और इसके उत्पाद बनाकर मोटी कमाई कर सकते हैं। अश्वगंधा का इस्तेमाल आयुर्वेदिक दवाओं में होता है। जिले के नोडल अधिकारी डॉ. अवनीश उपाध्याय ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि अश्वगंधा के फल, बीज और छाल के प्रयोग से कई प्रकार की दवाएं बनाई जाती हैं। तनाव और चिंता को दूर करने में अश्वगंधा को सबसे फायदेमंद माना जाता है। इसकी खेती से किसान धान, गेहूं और मक्का की खेती के मुकाबले 50 फ़ीसदी तक अधिक मुनाफा कमा सकते हैं।

डिवाइन लाइट स्कूल को हरेला पुरुस्कार से सम्मानित किया

हरिद्वार। ट्री ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने डिवाइन लाइट स्कूल को बुधवार को हरेला पुरस्कार से सम्मानित किया। साथ ही हरेला उत्सव 2024 के समर्थक स्कूल के छात्रों को प्रमाण पत्र बांटे गए। डिवाइन लाइट स्कूल में हरेला पर्व को लेकर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में डायरेक्टर लक्ष्मीकांत और अतिथियों ने पौधरोपण किया। कक्षा 12 वीं के छात्र कार्तिकय, गौरव, अंकुश, रविंद्र और प्रिंस को ग्रीन मैन विजयपाल बघेल ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर समाजसेवी जगदीश पाहवा, प्रमोद शर्मा, अनिल, एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. किरण मिश्री, प्रधानाचार्य राजेश कुमार शर्मा, सुमेध सैनी आदि मौजूद रहे।